

आत्मनिर्भर किसान अभियान का शुभारंभ

राजयोग जीवनशैली के साथ व्यवसाय से समग्र मनुष्य जाति को होगा लाभ : नितिन पटेल

महेशाना-गुज. 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा ब्रह्माकुमारीज के गौडली पैलेस में आयोजित 'आत्मनिर्भर किसान अभियान' के शुभारंभ कार्यक्रम में गुजरात के पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन भाई पटेल ने कहा कि किसान पशुपालन का व्यवसाय योग और धर्म के रूप से करेगा तो देश एवं समग्र मनुष्य जाति को अनेक गुना लाभ होगा। आज खेती में प्रयोग होने वाला रासायनिक खाद धीमे जहर के रूप में मानव शरीर में फैलता जा रहा है जिस कारण वह अनेक रोगों का शिकार होने लगा है। ब्रह्माकुमारी बहनों की समर्थता एवं पहुँच को सारा देश पहचानता है, जिसको ध्यान में रखते हुए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी आत्मनिर्भर किसान एवं प्राकृतिक खेती के अभियान के लिए ब्रह्माकुमारी संस्था से एक आश रखी है कि उनके अथक प्रयास से किसान कर्तव्यनिष्ठ बनें एवं स्वर्णिम भारत का निर्माण हो। कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्ष



राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी ने कहा कि प्राकृतिक एवं पारंपरिक खेती के साथ-साथ ब्रह्माकुमारीज के द्वारा परमात्म सानिध्य से खेती करने की नई पद्धति-शाश्वत यौगिक खेती सिखाई जाती है, जिससे किसानों में सकारात्मक विचारधारा पैदा होती है एवं अनेक दिव्य व आध्यात्मिक मूल्यों से उसका जीवन सम्पन्न बनता है। उन्होंने कहा कि यौगिक खेती का प्रशिक्षण देकर किसानों के मनोबल को मजबूत करने का कार्य इस अभियान के द्वारा किया जायेगा। किसानों को व्यसनमुक्त, कुरीति-कुप्रथाओं से मुक्त करने के साथ अन्य कई लक्ष्य के साथ यह अभियान आरंभ हुआ है। परशोत्तम रूपाला, केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, मत्स्योद्योग, पशुपालन एवं दूध उद्योग, भारत सरकार, राधवजी भाई पटेल, कृषि राज्यमंत्री एवं दिलीप भाई संघाणी, चेयरमैन, एन.सी.यू.आई., इफको, गुजकोमासोल ने विडियो द्वारा अपनी शुभ कामनाएं व्यक्त की। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित अशोक भाई चौधरी, चेयरमैन, दूध सागर डेरी, महेशाना, राम भाई पटेल, चेयरमैन, ए.पी.एम.सी., महेशाना, प्रशान्त भाई पटेल, बिजनेसमैन, भरत भाई पटेल, डेप्युटि डायरेक्टर, एग्रीकल्चर, किसान प्रशिक्षा केन्द्र एवं आत्मा प्रोजेक्ट, महेशाना ने भी अपनी शुभ कामनाएं व्यक्त की। मौके पर उपस्थित मेहमानों द्वारा अभियान यात्रियों को परमात्मा शिव का ध्वज, ज्ञान का प्रतीक कलश, पट्टे, बैज, कैप आदि पहनाकर, प्रभु प्रसाद देकर किसानों की सेवा के लिए प्रस्थान करवाया गया। आरंभ में ब्र.कु. कुसुम बहन ने सभी का स्वागत किया। ब्र.कु. धारा बहन ने सुंदर मंच संचालन किया। लगभग 300 भाई-बहनों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम का लाभ लिया।

'प्रभु वरदान' दुःख-अशांति से मुक्ति दिलायेगा



दीप प्रज्वलित करते हुए भामाशाह भोगराज सरावगी, राजकुमार राजगढ़िया रघुनंदन मित्तल, राजकुमार मोहता निर्मल बोधरा, भामाशाह गोपाल कृष्ण मित्तल, मुम्बई, भामाशाह मुजरिलाल सरावगी, बेंगलुरु, अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शालिनी शर्मा, मंगतुराम मोहता, पूर्व चेयरमैन, न.पा. राजगढ़, राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी श्रीगंगानगर परिक्षेत्र, ब्र.कु. चन्द्रकांत बदन, भादरा, राजयोगी ब्र.कु. डॉ. गंगाधर भाई, ब्र.कु. बालू भाई, ब्र.कु. श्रीराम भाई, स्थानीय सेवक केन्द्र संचालिका ब्र.कु. शोभा बहन तथा अन्य।

राजगढ़-सादुलपुर(राज.)। वर्तमान समय में व्यक्ति अपने जीवन में अशांति और दुःख का अनुभव कर रहा है, क्योंकि सब ओर नकारात्मक विचार प्रभावी है। जीवन को सुखमय बनाने के लिए आध्यात्मिक जीवन जीना आवश्यक है, और इसकी शुरुआत हमें स्वयं से ही करनी होगी। उक्त विचार राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी, श्रीगंगानगर ने सादुलपुर क्षेत्र में ईश्वरीय सेवाओं की रजत जयंती, ब्रह्माकुमारीज के नये सेवाकेन्द्र के उद्घाटन व भामाशाह सम्मान समारोह में अध्यक्ष के रूप में व्यक्त किये। इस मौके पर मुख्य अतिथि भामाशाह भोगराज सरावगी, विशिष्ट अतिथि राजकुमार राजगढ़िया रघुनंदन मित्तल, राजकुमार मोहता निर्मल बोधरा, ब्र.कु. चन्द्रकांत बहन, भादरा, अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शालिनी शर्मा, मुख्य वक्ता राजयोगी ब्र.कु. डॉ. गंगाधर, संपादक, ओमशान्ति मीडिया, मा.आबू आदि उपस्थित रहे। अतिथियों को ब्र.कु. डॉ. गंगाधर भाई, ब्र.कु. बालू भाई व ब्र.कु. श्रीराम भाई ने ईश्वरीय सौगात भेंट

के सम्मान में अभिनंदन पत्र व प्रतीक चिन्ह उनके भाई रघुनंदन मित्तल को प्रदान की गई। 'प्रभु वरदान' भवन के उद्घाटन पर भामाशाह मुरारी लाल सरावगी ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग से



संदेश देते हुए शुभ कामनाएं ज्ञापित कीं। मुख्य वक्ता ब्र.कु. डॉ. गंगाधर भाई ने विश्व में शांति व समरसता बनाने में ब्रह्माकुमारीज की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विचार परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य जागता है तो

अब हमें पुनः आध्यात्मिक जीवनशैली अपनाने की जरूरत है। ब्रह्माकुमारी विद्यालय में मनुष्य के जीवन को सुव्यवस्थित करने के लिए राजयोग मेडिटेशन की सहज व सरल विधि सिखाई जाती है। जिससे मनुष्य अपने जीवन में चिंता, तनाव व दुःख अशांति से निजात पाता है। उन्होंने कहा कि 'प्रभु वरदान' भवन सादुलपुर शहर व उससे सम्बंधित गांवों के लिए वास्तव में वरदान साबित होगा। अति. मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शालिनी शर्मा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज में सिखाया जा रहा राजयोग अवश्य ही मनुष्य के जीवन से तनाव और चिंताओं को दूर करेगा। उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन में आने वाले बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि शहर वासियों के लिए 'प्रभु वरदान' भवन प्रेरणा का स्रोत बनेगा। प्रवीण कुमार सिंघल, आरएएस ने भी अपने विचार व्यक्त किये। ब्र.कु. रानी बहन, पीलीबंगा ने राजयोग का अभ्यास कराया। प्रेम भाई, किशन

भाई, दीपेश भाई, प्रेम प्रकाश भाई व जीतू भाई ने हास्य अभिनय एवं बहनों ने आध्यात्मिक नृत्य प्रस्तुत किया। स्थानीय सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र.कु. शोभा बहन ने आगंतुकों का स्वागत व मंगतुराम मोहता ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राजस्थान, हरियाणा व महाराष्ट्र

रजत जयंती महोत्सव पर निकाली भव्य शोभायात्रा



सादुलपुर-राज.। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र के रजत जयंती समारोह के अवसर पर प्रातः शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें ब्र.कु. भाई-बहनों तथा शहर की महिलाओं ने कलश धारण कर व हथ में परमात्मा शिव का ध्वज लिये हुए शहर के मध्य से करीब पाँच कि.मी. की यात्रा की। इस दौरान शहर के विभिन्न संगठनों ने पुष्प वर्षा कर यात्रियों का अभिवादन किया।

की। विशेष रूप से ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र की स्थापना में तन, मन, धन से सहयोग प्रदान करने के लिए भामाशाह गोपाल कृष्ण मित्तल

चिंता की रेखाओं के साथ और सोता है तो चिंता की चिंता पर। आज हर मनुष्य का जीवन प्राचीन सभ्यताओं से कौसों दूर हो गया है।

स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों से ब्र.कु. भाई-बहनों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोगों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम का लाभ लिया।

सजगता के अभाव में दुर्घटनाओं पर काबू पाना सम्भव नहीं : गृह सचिव

'सड़क सुरक्षा से जन रक्षा' सड़क सुरक्षा मोटर बाइक यात्रा

राजपुर-छ.ग. ब्रह्माकुमारीज के यातायात प्रभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर 'प्रोजेक्ट के अन्तर्गत 'सड़क सुरक्षा से जन रक्षा' विषय पर आयोजित सड़क सुरक्षा मोटर बाइक यात्रा के शुभारंभ पर गृह सचिव अरुण देव गौतम, आई.पी.एस. ने कहा कि ज़्यादातर दुर्घटनाएं वाहन चालक की लापरवाही से होती हैं। उसे यह समझ ही नहीं होती कि उसका एक कृत्य कितने लोगों को बेसहारा बना देगा। सजगता के अभाव में दुर्घटनाओं पर काबू पाना सम्भव नहीं है। उन्होंने समारोह के आयोजन एवं ब्रह्माकुमारीज के



अन्य प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को सचेत करने की जरूरत है। इन्दिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चन्देल ने कहा कि वर्तमान समय बच्चों को

यदि यातायात नियमों की जानकारी दी जाए तो वह बड़ों को उन नियमों का पालन करने के लिए बाध्य कर सकते हैं। नियमों के पालन का संस्कार बनाना ज़रूरी है। ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. कमला दीदी ने कहा कि

गाड़ी चलाते समय मन में किसी प्रकार का तनाव न हो, इसके लिए राजयोग मेडिटेशन कारगर तरीका है। साथ ही उन्होंने लोगों को स्वयं की और परमात्मा की पहचान प्राप्त करने के लिए राजयोग शिविर में भाग लेने का निमंत्रण दिया। अति. पुलिस अधीक्षक,

ट्रैफिक, एम.आर.मण्डावी ने जल्दबाजी से बचने की सलाह देते हुए कहा कि कहीं जाने के लिए समय से पहले घर से निकलना चाहिए। वाहन की गति को नियंत्रित रखें तो दुर्घटनाओं में कमी हो सकती है। यातायात प्रभाग के मुख्यालय समन्वयक ब्र.कु. सुरेश भाई, माउण्ट आबू ने बाइक रैली का उद्देश्य बताते हुए कहा कि हमें प्रतिज्ञा करनी है कि हम स्वयं तो यातायात नियमों का पालन करेंगे ही, दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। ब्र.कु. कविता दीदी, मुम्बई ने कहा कि स्टेयरिंग पर नियंत्रण के लिए मन पर नियंत्रण ज़रूरी है। ब्र.कु. सरिता दीदी, धमतरी ने सभी का स्वागत किया। ब्र.कु. विद्या दीदी, अम्बिकापुर ने यातायात नियमों का पालन करने की प्रतिज्ञा करायी तथा संचालन ब्र.कु. मंजू दीदी, बिलासपुर ने किया।